25.08.2024

प्रेस विज्ञप्ति
Press Release

2047 तक "सबके लिए बीमा" संबंधी परिदृष्टि सम्मेलन

Vision Meet on "Insurance for All" by 2047

मुंबई में 23 और 24 अगस्त 2024 को दो दिन के लिए बीमा परिषदों के द्वारा आयोजित "सबके लिए बीमा" का परिदृष्टि सम्मेलन "2047 तक सबके लिए बीमा" की परिदृष्टि के लिए आधारभूत कार्य प्रस्तुत करने के लक्ष्य से युक्त एक प्रमुख घटना थी। इस सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य ऐसे बुनियादी ढाँचे का निर्माण सहयोगपूर्ण ढंग से करना था, जो *सबके लिए बीमा* के लक्ष्य को प्राप्त करने की परिदृष्टि का मार्गदर्शन करेगा। इस कार्यक्रम ने बीमाकर्ताओं, पुनर्बीमाकर्ताओं, प्रमुख आईआरडीएआई अधिकारियों के साथ मध्यवर्तियों के प्रतिनिधियों को एक स्थान पर मिलने का अवसर प्रदान किया। एक उल्लेखनीय सहयोग के रूप में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), कोझिकोड़ से आई हुई एक समर्पित टीम ने एक प्रमुख विद्वत्तापूर्ण भागीदार के रूप में सहभागिता की जिसने संरचित मार्गदर्शन, अनुसंधान समर्थन, तथा कार्यनीतिगत प्रलेख के निर्माण के लिए अमूल्य अंतर्दृष्टियाँ प्रस्तुत कीं। इस कार्यशाला का अभिकल्पन बीमा के भविष्य के संबंध में एक विस्तृत और समावेशी संवाद को सुनिश्चित करते हुए चर्चाओं और विचार-मंथन को प्रोत्साहित करने के लिए अत्यंत सावधानीपूर्वक किया गया था।

उक्त गोष्ठी के दौरान, विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों के संबंध में खोजपूर्ण चर्चाएँ की गईं। एक मुख्य फोकस "सबके लिए बीमा" की संकल्पना को निश्चित करने तथा इस लक्ष्य की दिशा में प्रगति का मापन और निगरानी करने के लिए व्यवस्थाओं को विकसित करने पर था। सहभागियों ने भारत की विविध जनसांख्यिकी स्थितियों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए बीमा उत्पादों और प्रदाताओं को विविधीकृत करने की आवश्यकता का अन्वेषण किया। वितरण माध्यमों का विस्तार करना भी एक प्रमुख विषय था, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि समाज के प्रत्येक खंड के लिए बीमा उत्पादों को पहुँच-योग्य बनाया जाए। अतिरिक्त रूप से, उक्त चर्चाओं में वहनीय बीमा उत्पाद उपलब्ध कराने, उन्नत प्रौद्योगिकी को समन्वित करने, और राज्य बीमा योजना की भूमिका का संवर्धन करने के लिए कार्यनीतियाँ शामिल थीं। इन सभी चर्चाओं और विचार-विमर्शों का ध्येय 2047 तक "सबके लिए बीमा" का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा विकसित करना था।

उक्त सम्मेलन ने बीमा क्षेत्र के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण अनेक अतिरिक्त क्षेत्रों का भी समाधान किया। इनमें वृद्धि पूँजी और क्षमता निर्माण की आवश्यकता, एवं प्रभावी पुनर्बीमा और जोखिम प्रबंध रणनीतियों का महत्व शामिल थे। सेवा के वितरण में सुधार लाने के लिए ग्राहक-केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाने, दावों के

निपटान में शीघ्रता लाने. तथा शिकायतों का त्वरित गति से समाधान करने पर बल दिया गया। वितरण माध्यमों की कुशलता में वृद्धि करना चर्चा का एक और महत्वपूर्ण विषय था। बीमा प्रौद्योगिकी (इन्श्योरटेक) में नवोन्मेषणों पर भी विशेष बल दिया गया, जो सबके लिए बीमा का लक्ष्य प्राप्त करने में एक मुख्य भूमिका अदा करेंगे।

इस लक्ष्य की दिशा में, प्राथमिक हितधारकों से युक्त समर्पित विषयक कार्य-दल उक्त कार्यनीति प्रलेख को मजबूत करने और उसके कार्यान्वयन के लिए सघन प्रयास करेंगे।

उक्त "सबके लिए बीमा" संबंधी परिदृष्टि सम्मेलन ने सहयोगपूर्ण प्रयासों और कार्यनीतिगत अंतर्दृष्टियों के साथ, भारत में बीमा परिदृश्य का रूपांतरण करने के लिए एक सुदृढ़ नींव रखी है, जो 2047 तक अधिक समावेशी और साम्यिक बीमा के भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेगी।

The "Insurance for All" Vision Meet, hosted by insurance councils over two days on August 23rd and 24th, 2024, in Mumbai, was a pivotal event aimed at laying the groundwork for the vision of "Insurance for All by 2047". The primary objective of the meeting was to collaboratively craft foundational framework that would guide the vision of achieving *Insurance for All*. The event brought together the insurers, reinsurers, representatives of intermediaries along with key IRDAI officials. In a significant collaboration, a dedicated team from the Indian Institute of Management (IIM) Kozhikode participated as a key academic partner, offering structured guidance, research support, and invaluable insights for the creation of the strategy document. The workshop was meticulously designed to foster discussions and brainstorming, ensuring a broad and inclusive dialogue on the future of insurance.

During the meeting, discussions delved into various critical areas. A major focus was on defining the concept of "Insurance for All" and developing mechanisms to measure and monitor progress towards this goal. Participants explored the necessity of diversifying insurance products and providers to better reflect the diverse demographics of India. Expanding distribution channels was also a key topic, aimed at ensuring that insurance products are accessible to every segment of society. Additionally, the discussions covered strategies for providing affordable insurance products, integrating advanced technology, and enhancing the role of the State Insurance Plan. All these discussions and deliberations were aimed at developing a detailed roadmap to achieve the "Insurance for All" vision by 2047.

The meet also addressed several additional focus areas critical to the future of the insurance sector. These included the need for growth capital and capacity building, as well as the importance of effective reinsurance and risk management strategies. Emphasis was placed on adopting customer-centric approaches to improve service delivery, expedite claim settlements, and swiftly resolve grievances. Enhancing the efficiency of distribution channels was another important point of discussion. Innovations in insurance technology (Insurtech) were also highlighted, which would play a key role in achieving insurance for all.

Towards this goal, dedicated thematic working groups consisting of primary stakeholders will delve deeper to strengthen the strategy document and implementation thereof.

The "Insurance for All" Vision Meet has set a robust foundation for transforming the insurance landscape in India, with collaborative efforts and strategic insights paving the way towards a more inclusive and equitable insurance future by 2047.